

तीन देव

ब्रह्मा

विष्णु

महेश



तीन ऋण

देव ऋण

पितृ ऋण

ऋषि ऋण

ऋण

तीन गुण

सत्त्व्

रज्ज्

तमस्



VKJ PANDEY

VKJ PANDEY

BLACKBOX AI



तीन दोष

वात्

पित्त

कफ



तीन लोक

आकाश लोक

मृत्यु लोक

पाताल लोक



तीन जीव

जलचर

नभचर

थलचर



चार वेद

ऋग्वेद

अथर्ववेद

यजुर्वेद

सामवेद



VKJ PANDEY

BLACKBOX AI

VKJ PANDEY

चार आश्रम

ब्रह्मचर्य

गृहस्थ

वानप्रस्थ

संन्यास



BLACKBOX AI

VKJ PANDEY

चार युग

सतयुग

त्रैतायुग

द्वापरयुग

कलियुग



चार वर्ण

ब्राह्मण

क्षत्रिय

वैश्य

शूद्र



BLACKBOX AI

चार फल (पुरुषार्थ)

धर्म

अर्थ

काम

मोक्ष



BLACKBOX AI

VKJ PANDHEY

चार शत्रु

काम

क्रोध

मोह

लोभ



चार धाम

द्वारिका

बद्रीनाथ

जगन्नाथ पुरी

रामेश्वरम धाम



BLACKBOX AI



चारपीठ

शारदा पीठ - द्वारिका

ज्योतिष पीठ - बद्रिधाम

गोवर्धन पीठ-जगन्नाथपुरी

शृंगेरीपीठ - चिकमंगलुर



चार अंतःकरण

मन

बुद्धि

चित्त

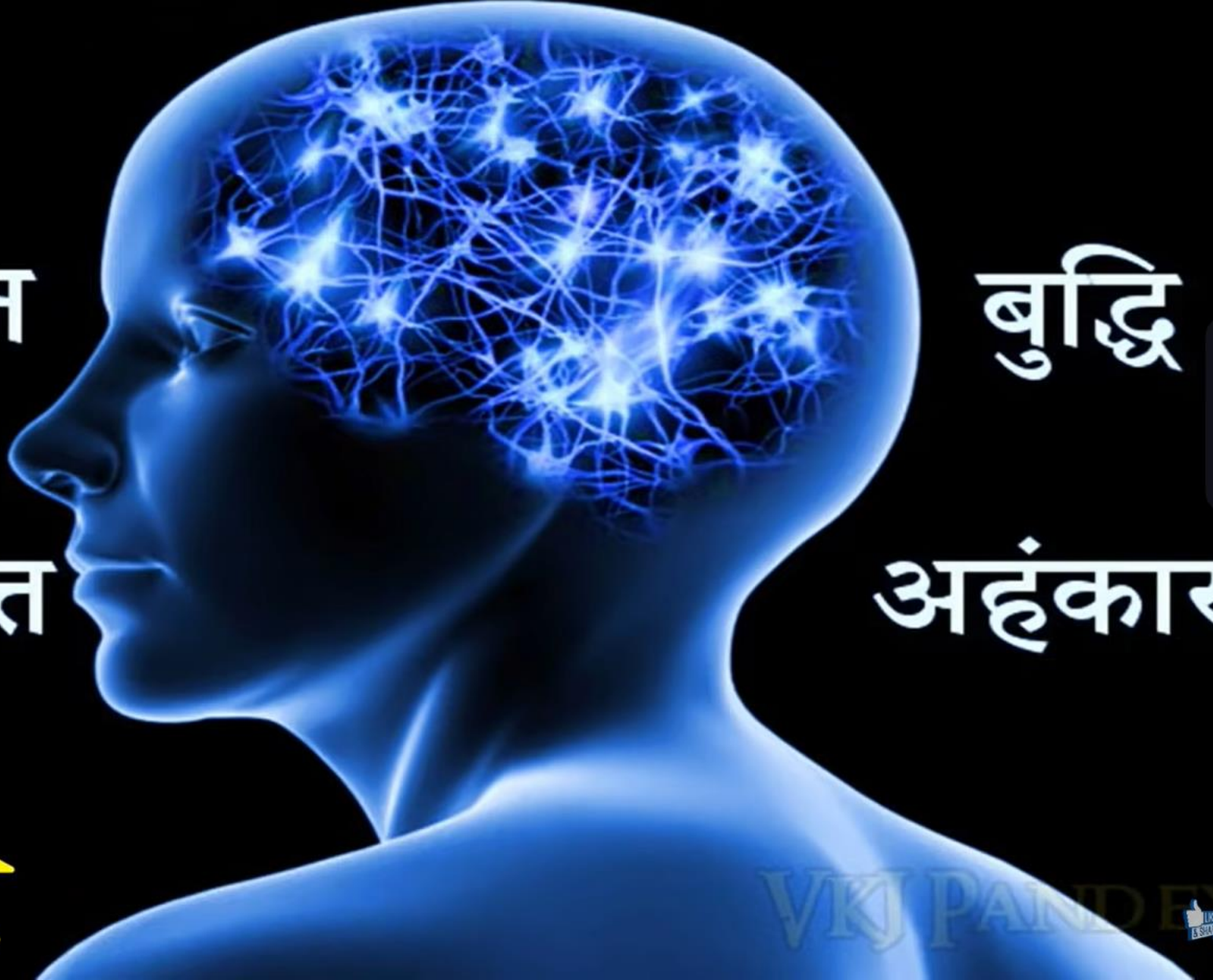
अहंकार

मन

चित्त

बुद्धि

अहंकार



पंच गव्य

पंचगव्य

गाय का घी

दूध दही

गो मूत्र

गोबर



BLACKBOX AI

पंचामृत

दूध दही

घी मध

साकर

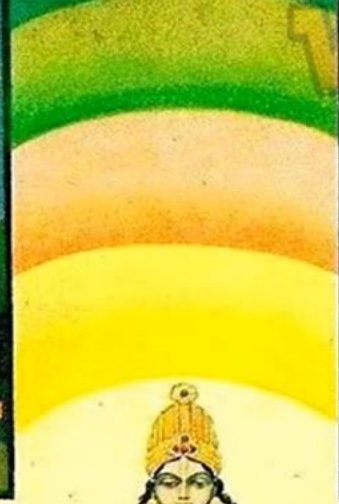


पंच देव

गणेश विष्णु

शिव देवी

सूर्य



BLACKBOX AI

पंच तत्त्व

पृथ्वी जल

अग्नि वायु

आकाश



छह दर्शन

वैशेषिक न्याय

सांख्य योग

पूर्व मिमांसा

दक्षिण मिमांसा



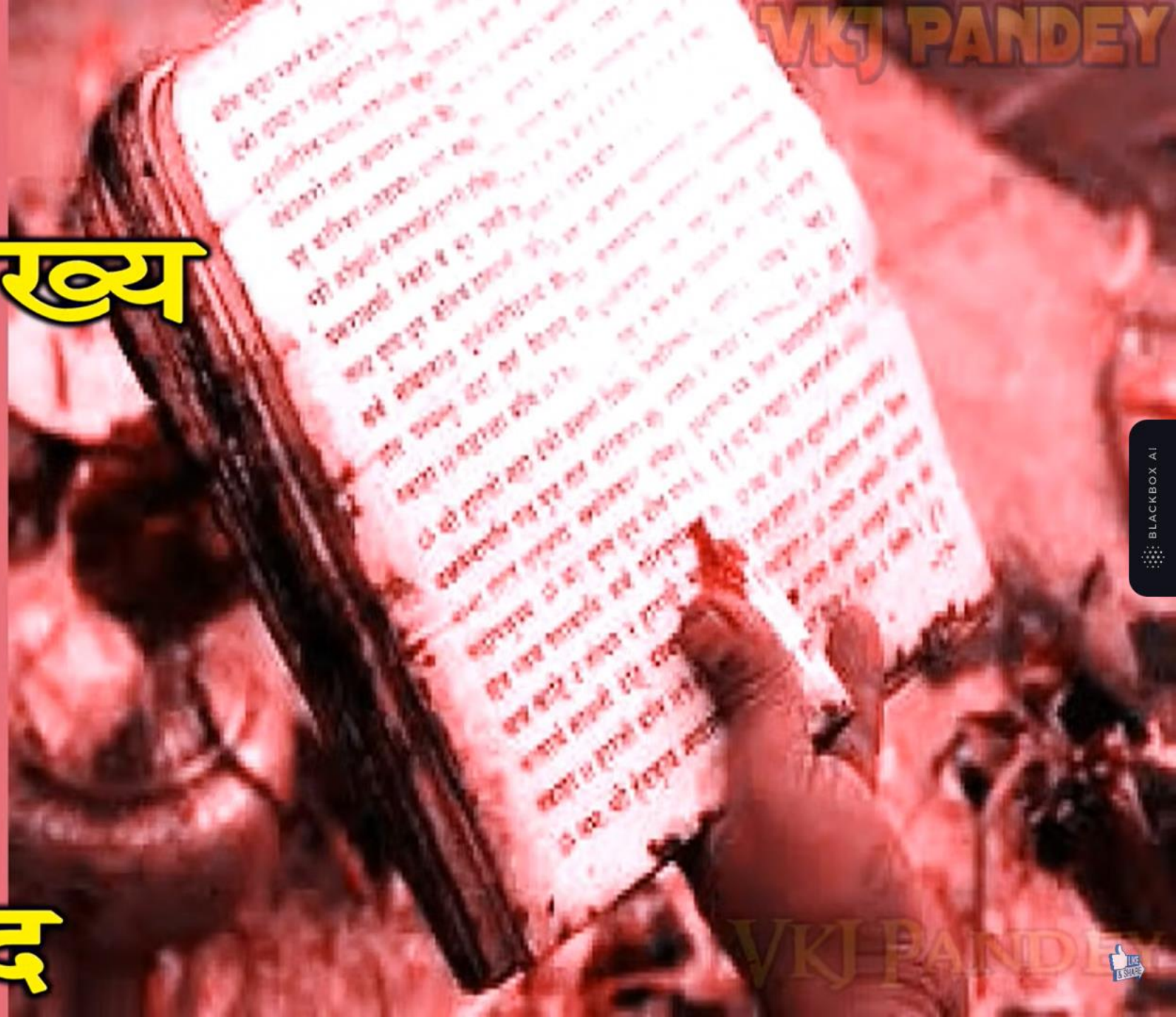
छह शास्त्र

वेदांग सांख्य

निरुक्त

व्याकरण

योग छंद



VKJ PANDEY

VKJ PANDEY

BLACKBOX AI



सप्त ऋषि

विश्वामित्र

जमदाग्नि

भरद्वाज

गौतम अत्री

वशिष्ठ कश्यप



VKJ PANDEY

BLACKBOX AI

VKJ PANDEY

सप्तपुरी

अयोध्यापुरी मथुरापुरी

मायापुरी (हरिद्वार)

काशी कांची

(शिवकांची - विष्णुकांची)

अवंतिका और द्वारिकापुरी



VKJ PANDEY

BLACKBOX AI

VKJ PANDEY

सात द्वीप

जम्बू द्वीप पलक्ष द्वीप

कुश द्वीप पुष्कर द्वीप

शंकर द्वीप कांच द्वीप

शालमाली द्वीप



BLACKBOX AI

सात नदियां
गंगा यमुना
गोदावरी
सरस्वती
नर्मदा सिंधु
कावेरी



सात महासागर
क्षीरसागर
दधिसागर
घृतसागर
मथानसागर
मधुसागर
मदिरासागर
लवणसागर



आठ योग
यम नियम
आसन
प्राणायाम
प्रत्याहार
धारणा
ध्यान एवं
समाधि



आठ लक्ष्मी

आगघ विद्या

सौभाग्य अमृत

काम सत्य

भोग एवं

योग लक्ष्मी



अष्टधातु

सोना चांदी

तांबु लोह

सीसु कांस्य

पित्तल रांगु



नव दुर्गा
शैल पुत्री ब्रह्मचारिणी
चंद्रघंटा कुष्मांडा
स्कंदमाता कात्यायिनी
कालरात्रि महागौरी
एवं सिद्धिदात्री



नवधा भक्ति

श्रवण कीर्तन

स्मरण पादसेवन

अर्चना वंदना

मित्र दास्य

आत्मनिवेदन



मुख्य ११ अवतार

मत्स्य कच्छप

वराह नरसिंह

वामन परशुराम

श्री राम कृष्ण

बलराम बुद्ध

एवं कल्कि



बारह ज्योतिर्लिंग

सोमनाथ मल्लिकार्जुन

महाकाल ओमकारेश्वर

बैजनाथ रामेश्वरम

विश्वनाथ त्र्यंबकेश्वर

केदारनाथ घुण्जेश्वर

भीमाशंकर नागेश्वर



चौदह रत्न

अमृत

कल्पवृक्ष

उच्चैः श्रवा

पांचजन्यशंख

कामधेनु गाय

रंभा अप्सरा

वारुणी वृष

औरावत हाथी

कौस्तुभ मणी

अश्व

चंद्रमा धनुष

धनवंतरी

लक्ष्मी माता



चौदह भुवन

तल अतल वितल

सुतल रसातल पाताल

भुवलोक भुलोक

स्वर्ग मृत्युलोक

यमलोक वरुणलोक

सत्यलोक ब्रह्मलोक

VKJ PANDHEY

BLACKBOX AI

VKJ PANDHEY

18 पुराण

मत्स्य पुराण मार्कण्डेय पुराण
भविष्य पुराण भगवत पुराण
ब्रह्मांड पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण
ब्रह्म पुराण वामन पुराण
वराह पुराण विष्णु पुराण
वायु पुराण अग्नि पुराण
नारद पुराण पद्म पुराण
लिंग पुराण गरुड़ पुराण
कूर्म पुराण स्कंद पुराण



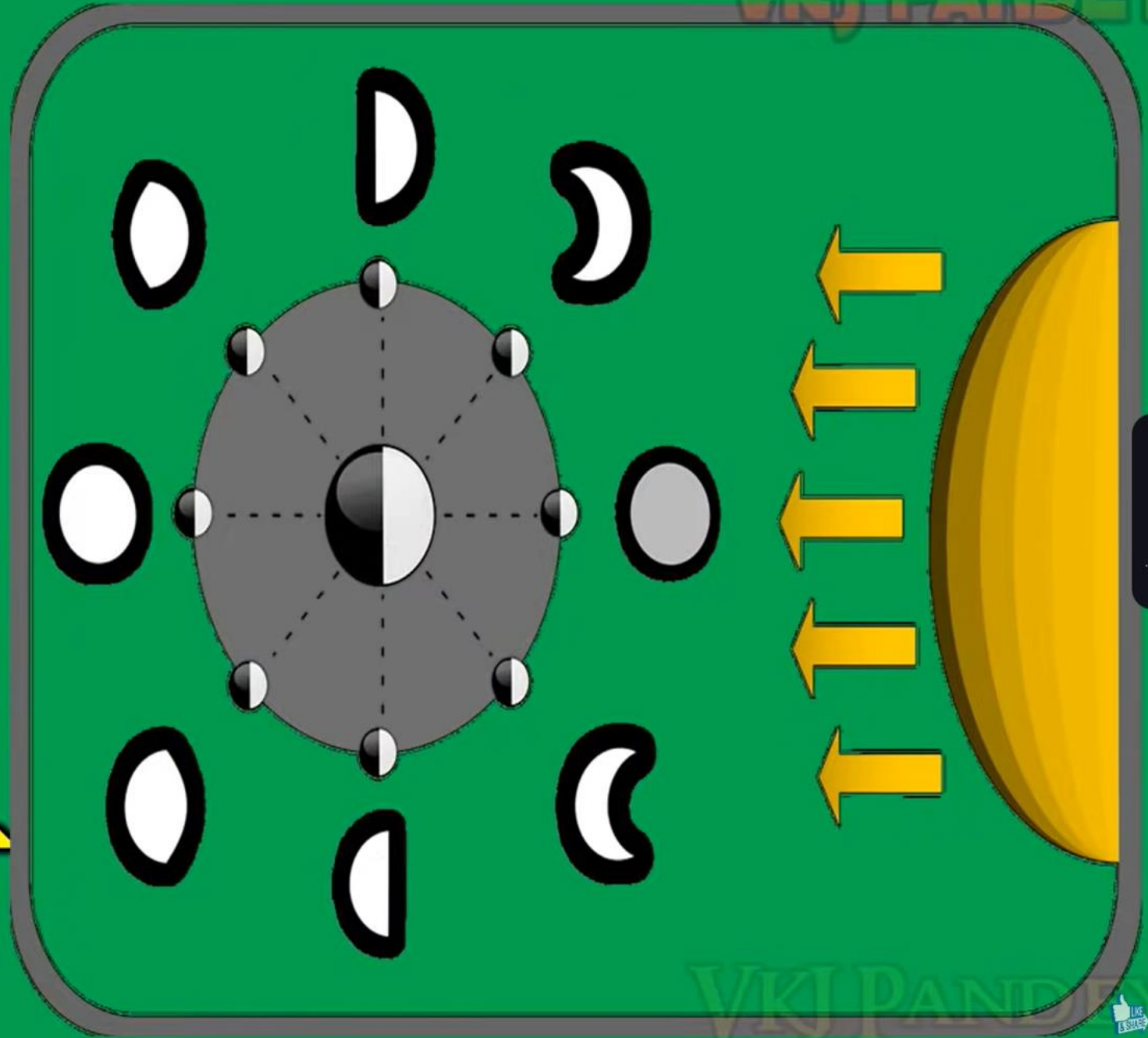
19 स्मृतियां
मनु विष्णु अत्री
हारीत याज्ञवल्क्य
उशना अंगीरा यम
आपस्तम्ब सर्वत
कात्यायन ब्रह्मस्पति
पराशर व्यास
शांख्य लिखित दक्ष
शातातप वशिष्ठ



दो पक्ष

कृष्ण पक्ष

शुक्ल पक्ष



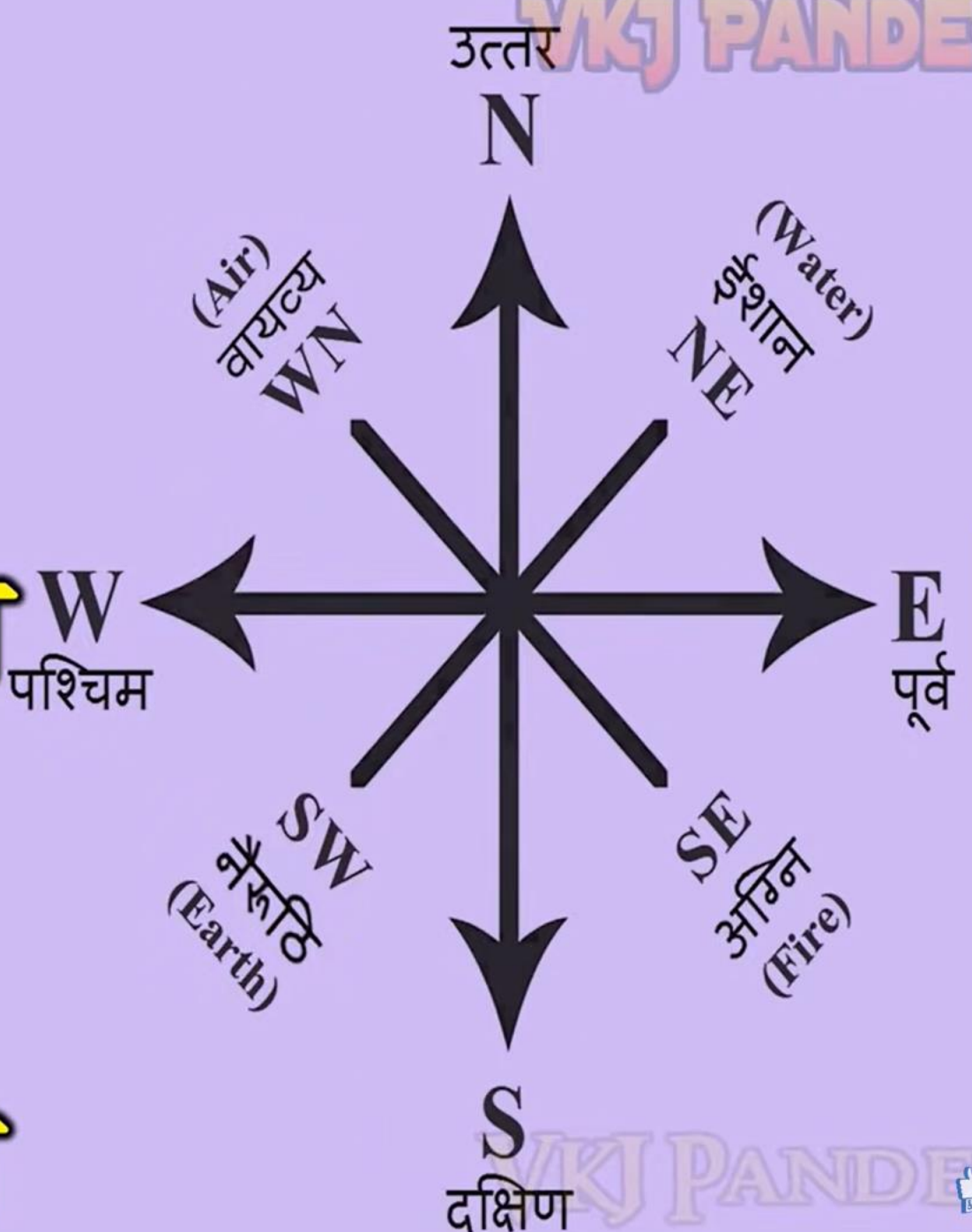
दस दिशाएं

पूर्व पश्चिम उत्तर

दक्षिण ईशान नैऋत्य

वायव्य अग्नि

आकाश एवं पाताल



बारह मास

चैत्र वैशाख

ज्येष्ठ अषाढ

श्रावण भाद्रपद

अश्विन कार्तिक

मार्गशीर्ष पौष

माघ फागुन

हिन्दी महिने

चैत्र

वैशाख

ज्येष्ठ

आषाढ

श्रावण

भाद्रपद

अश्विन

कार्तिक

मार्गशीर्ष

पौष

माघ

फाल्गुन

अंग्रेजी महिने

मार्च - अप्रैल

अप्रैल - मई

मई - जून

जून - जुलाई

जुलाई - अगस्त

अगस्त - सितम्बर

सितम्बर - अक्टूबर

अक्टूबर - नवम्बर

नवम्बर - दिसम्बर

दिसम्बर - जनवरी

जनवरी - फरवरी

फरवरी - मार्च

बारह राशी

मेष वृषभ मिथुन

कर्क सिंह कन्या

तुला वृश्चिक धनु

मकर कुंभ कन्या

मेष	चू, चे, चो, ला, ली, लू, लै, लो, अ
वृष	ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
मिथुन	का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा
कर्क	ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
सिंह	मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
कन्या	टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
तुला	रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
वृश्चिक	तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू
धनु	ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे
मकर	भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी
कुंभ	गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
मीन	दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

पंद्रह तिथियाँ

प्रतिपदा द्वितीय तृतीय

चतुर्थी पंचमी षष्ठी सप्तमी

अष्टमी नवमी दशमी एकादशी

द्वादशी त्रयोदशी चतुर्दशी

पूर्णिमा अमावास्या



हिंदू धर्म मे 33 करोड नही,

33 कोटी देवी देवता है



BLACKBOX AI

Live & Share

कोटि = प्रकार

देवभाषा संस्कृत में

कोटि के दो अर्थ होते हैं

कोटि का अर्थ प्रकार होता है
और एक अर्थ करोड़ भी होता है

हिन्दू धर्म का दुष्प्रचार करने के लिए यह
बात उड़ाई गयी की हिन्दुओ के 33 करोड़
देवी देवता हैं और अब तो
मुख्य हिन्दू खुद ही गाते फिरते हैं
की हमारे 33 करोड़ देवी देवता हैं।

कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में :-

12 प्रकार हैं

आदित्य , धाता, मित, आर्यमा,

शक्रा, वरुण, अँश, भाग, विवास्वान, पूष,

सविता, तवास्था, और विष्णु...।

कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में :-

8 प्रकार है :-

वासुः, धर, ध्रुव, सोम,

अह, अनिल, अनल,

प्रत्युष और प्रभाष।

कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में :-

11 प्रकार है :-

रुद्रः ,हर,बहुरूप, त्रयंबक,

अपराजिता, वृषाकापि, शंभू, कपादी,

रेवात, मृगव्याध, शर्वा, और कपाली।

कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में :-

एवं

दो प्रकार है

अश्विनी और कुमार।

कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में :-

कुल :-

$12+8+11+2$

$=33$ करोड़ी

यदि आपने कभी भी

भगवान् के आगे हाथ जोड़ा है,

तो इस जानकारी को अधिक से

अधिक लोगो तक पहुंचाएं।

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - किसको किसने सुनाई?

उत्तर- श्रीकृष्ण ने अर्जुन
को सुनाई।

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - कब सुनाई?

उत्तर - आज से लगभग 7

हज़ार साल पहले सुनाई।

VKJ PANDHEY

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - भगवान ने किस
दिन गीता सुनाई?

उत्तर- रविवार के दिन।

VKJ PANDHEY

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - कोनसी तिथि को?

उत्तर- एकादशी

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - कहा सुनाई?

उत्तर- कुरुक्षेत्र की रणभूमि में।

"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - कितनी देर में सुनाई?

उत्तर- लगभग 45 मिनट में

VK PANDEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-
प्रश्न - क्यू सुनाई?

उत्तर- कर्त्तव्य से भटके हुए अर्जुन को
कर्त्तव्य सिखाने के लिए और आने वाली
पीढियों को धर्म-ज्ञान सिखाने के लिए।

BLACKBOX AI

VK PANDEY

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - कितने अध्याय हैं?

उत्तर- कुल 18 अध्याय

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - कितने श्लोक हैं?

उत्तर- 700 श्लोक

"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-
प्रश्न - गीता में क्या-क्या बताया गया है?

**उत्तर- ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत
व्याख्या की गयी है, इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति
निश्चित ही परमपद का अधिकारी बन जाता है।**

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - गीता को अर्जुन के अलावा
और किन किन लोगो ने सुना?

उत्तर- धृतराष्ट्र एवं संजय ने

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - अर्जुन से पहले गीता का

पावन ज्ञान किन्हें मिला था?

उत्तर- भगवान सूर्यदेव को

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - गीता की गिनती किन

धर्म-ग्रंथों में आती है?

उत्तर- उपनिषदों में

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - गीता किस महाग्रंथ का भाग है?

उत्तर- गीता महाभारत के एक अध्याय

शांति-पर्व का एक हिस्सा है।

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - गीता का दूसरा नाम क्या है?

उत्तर- गीतोपनिषद्

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - गीता का सार क्या है?

उत्तर- प्रभु श्रीकृष्ण की शरण लेना

VKJ PANDHEY
"श्री मद्-भगवत गीता" के बारे में-

प्रश्न - गीता में किसने कितने श्लोक कहे है?

उत्तर- श्रीकृष्ण जी ने- 574

अर्जुन ने- 85 धृतराष्ट्र ने-1 संजय ने-40

अपनी युवा-पीढ़ी को गीता जी के बारे में जानकारी पहुंचाने हेतु
इसे ज्यादा से ज्यादा शेअर करे। धन्यवाद

पाण्डव पाँच भाई थे जिनके नाम हैं -

1. युधिष्ठिर 2. भीम 3. अर्जुन

4. नकुल 5. सहदेव

पाण्डव पाँच भाई थे जिनके नाम हैं -

1. युधिष्ठिर 2. भीम 3. अर्जुन

4. नकुल 5. सहदेव

इन पांचों के अलावा, महाबली कर्ण भी कुंती के ही पुत्र थे,

परन्तु उनकी गिनती पांडवों में नहीं की जाती है

ध्यान रखें

पाण्डु के पाँचों पुत्रों में से
युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन
की माता कुन्ती थीं तथा ,

नकुल और सहदेव की माता माद्री थी

धृतराष्ट्र और गांधारी

के सौ पुत्र थे

जो की कौरव कहलाए

कौरव के नाम इस प्रकार हैं

1. दुर्योधन
2. दुःशासन
3. दुःसह
4. दुःशल
5. जलसंघ
6. सम
7. सह
8. विंद
9. अनुविंद
10. दुर्धर्ष
11. सुबाहु
12. दुषप्रधर्षण
13. दुर्मर्षण
14. दुर्मुख
15. दुष्कर्ण

कौरव के नाम इस प्रकार हैं

16. विकर्ण
17. शल
18. सत्वान
19. सुलोचन
20. चित्र
21. उपचित्र
22. चित्राक्ष
23. चारुचित्र
24. शरासन
25. दुर्मद
26. दुर्विगाह
27. विवित्सु
28. विकटानन्द
29. ऊर्णनाभ
30. सुनाभ
31. नन्दा
32. उपनन्द
33. चित्रबाण

कौरव के नाम इस प्रकार हैं

34. चित्रवर्मा 35. सुवर्मा 36. दुर्विमोचन
37. अयोबाहु 38. महाबाहु 39. चित्रांग
40. चित्रकुण्डल 41. भीमवेग 42. भीमबल
43. बालाकि 44. बलवर्धन 45. उग्रायुध
46. सुषेण 47. कुण्डधर 48. महोदर
49. चित्रायुध 50. निषंगी 51. पाशी

कौरव के नाम इस प्रकार हैं

52. वृन्दारक 53. दृढ़वर्मा 54. दृढ़क्षत्र
55. सोमकीर्ति 56. अनूदर 57. दृढ़संघ
58. जरासंघ 59. सत्यसंघ 60. सद्सुवाक
61. उग्रश्रवा 62. उग्रसेन 63. सेनानी
64. दुष्पराजय 65. अपराजित
66. कुण्डशायी 67. विशालाक्ष

कौरव के नाम इस प्रकार हैं

68. दुराधर 69. दृढ़हस्त 70. सुहस्त
71. वातवेग 72. सुवर्च 73. आदित्यकेतु
74. बह्वाशी 75. नागदत्त 76. उग्रशायी
77. कवचि 78. क्रथना 79. कुण्डी
80. भीमविक्र 81. धनुर्धर 82. वीरबाहु
83. अलोलुप 84. अभय 85. दृढ़कर्मा

इन 100 भाइयों के अलावा

कौरवों की एक बहन भी थी

जिसका नाम "दुशाला" था,

विवाह "जयद्रथ" से हुआ था

